महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान - म.प्र.

ई–समाचार पत्र

पहल

मासिक – इकतालीसवां संस्करण (माह अगस्त, 2018)

➔ ''पहल'' के इस संस्करण में .....

1. अपनी बात ....
2. एनआईआरडीपीआर, हैदराबाद के सहयोग से संस्थान में "Per Drop More Crop Under PMKSY" विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन
3. विकास आयुक्त/अपर मुख्य सचिव द्वारा वीडियो कान्फ्रेंस में दिए गए निर्देश
4. समय प्रबंधन एक आदत
5. पंचायतों के विकास हेतु ग्राम नियोजन
6. महिला ई–हाट
7. स्मार्ट, सम्पूर्ण, स्वस्थ ग्राम पंचायत कोदरिया
8. ईटीसी इंदौर में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण–2018 अन्तर्गत कार्यशाला

प्रकाशन समिति

संरक्षक एवं सलाहकार
श्री इकबाल सिंह बैंस (IAS)
अपर मुख्य सचिव,
म.प्र.शासन
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

प्रधान संपादक
संजय कुमार सराफ,
संचालक,
महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास
एवं पंचायतराज संस्थान–म.प्र., जबलपुर

सह संपादक
श्रीमती सुनीता चौबे,
उप संचालक, म.गां.रा.ग्रा.वि.पं.रा.स.–म.प्र., जबलपुर

ई–न्यूज के सम्बन्ध में अपने फीडबैक एवं आलेख छपवाने हेतु कृपया इस पते पर मेल करें–**mgsirdpahal@gmail.com**
Our official Website : www.mgsird.org, Phone : 0761-2681450 Fax : 761-2681870
Designed & Developed by J.K. Shrivastava and Ashish Dubey, Programmer, MGSIRD&PR, JABALPUR

अपनी बात...

''पहल'' मासिक ई–न्यूज लेटर का उनतालीसवां संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है, जो वर्ष 2018 का छठवां मासिक संस्करण है।

इस संस्करण संस्थान में **''एनआईआरडीपीआर, हैदराबाद के सहयोग से संस्थान में Per Drop More Crop Under PMKSY''** एवं ईटीसी इंदौर में **''स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण–2018 अन्तर्गत कार्यशाला''** आयोजन पर समाचार आलेख प्रस्तुत किया गया है वहीं ग्राम पंचायत कोदरिया, मध्यप्रदेश की जनपद पंचायत महू, जिला इन्दौर की **''स्मार्ट, सम्पूर्ण, स्वस्थ ग्राम पंचायत कोदरिया''**, सफलता की कहानी **को** आलेख के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

साथ ही **''समय प्रबंधन एक आदत''**, **''पंचायतों के विकास हेतु ग्राम नियोजन''** एवं **''महिला ई–हाट'** विषयों पर अन्य आलेखों को इस संस्करण में शामिल किया गया है।

इसके अलावा अपर मुख्य सचिव/ विकास आयुक्त महोदय द्वारा वीडियो कांफ्रेन्स दिनांक 19 जून, 2018 में दिये गये निर्देश प्रस्तुत किये गये है।

मुझे पूरा भरोसा है कि 'पहल' का यह संस्करण रूचिकर एवं कई विषयों पर आपको नवीन जानकारियां प्रदान करेगा।

शुभकामनाओं सहित।

संजय कुमार सराफ
संचालक

एनआईआरडीपीआर, हैदराबाद के सहयोग से संस्थान में "Per Drop More Crop Under PMKSY" विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन

महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान, जबलपुर में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान हैदराबाद के सहयोग से "Per Drop More Crop Under PMKSY" विषय पर उपयंत्रियों हेतु दिनांक 09 से 13 जुलाई 2018 तक 5 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।

उक्त प्रशिक्षण सत्र दौरान हैदराबाद से आये विशेषज्ञों डॉ के कृष्णा रेड्डी व डॉ रवीन्द्र एस गवली द्वारा प्रतिभागियों को जानकारी दी गई। सत्र दौरान उन्होने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के विभिन्न पहलुओं यथा इसके उद्देश्य, गाइडलाइन, माइक्रो इरीगेशन की गाइडलाइन, संभावनाएं, उपयोग, उत्पादकता में असर, ड्रिप इरीगेशन, स्प्रिंकलर इरीगेशन, पॉली ग्रीन पॉली हाउस टेक्नालॉजी, सोलर इरीगेशन का उपयोग, व माइक्रो इरीगेशन के रखरखाब की जानकारी दी। प्रशिक्षण सत्र दौरान जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविधालय के विशेषज्ञों डॉ एम के अवस्थी, चीफ साइंटिस्ट, इरीगेशन वॉटर मैनेजमेंट, कृषि इंजीनियरिंग महा0 जबलपुर व डॉ एस के पांडे प्रोफेसर (उद्यानिकी) द्वारा ड्रिप के साथ ग्रीन पॉली हाउस टेक्नोलॉजी के माध्यम से सब्जी व फलों के उत्पादन के बारे में विस्तार से प्रतिभागियों को जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र दौरान सैद्धातिक जानकारी देने के साथ ही प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष अनुभव कराने बघराजी, सुनावल व मलारा ग्राम (ज.पं. कुंडम) में फील्ड का भ्रमण कर ड्रिप इरीगेशन, पालीहाउस स्प्रिंकलर के कार्य करने का अवलोकन करवाया गया।

प्रशिक्षण सत्र में कुल 28. जिलों के 31 उपयंत्री उपस्थित हुए। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर में सभी प्रतिभागियों द्वारा इसे अत्यंत उपयोगी बतलाया गया। संस्थान के संचालक श्री संजय कुमार सराफ ने इस अवसर पर कहा कि सभी प्रतिभागी, प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का उपयोग अवश्य करें। वर्तमान में पानी की कमी को देखते हुए इस दिशा में निरंतर व सार्थक प्रयास करना और भी आवश्यक है। सत्र को समापन अवसर पर श्री एस के सचान, उपसंचालक द्वारा प्रतिभागियों को आहवान किया गया कि वे प्राप्त ज्ञान का उपयोग क्षेत्र में जाकर कृषकों की फसलों की उत्पादन वृद्धि में करे। सत्र समन्वयक श्री एन0 पी0 गौतम संकाय सदस्य द्वारा सभी संबंधितों के सहयोग व रुचि के लिए आभार व्यक्त किया।

एन.पी. गौतम
संकाय सदस्य

विकास आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव द्वारा दिनांक 19.06.2018 को आयोजित वीडियों कान्फ्रेंस में दिए गए निर्देश

1. महात्मा गांधी नरेगा–

1.1 महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत कुल 10,46,121 कार्य वर्ष 2018–19 में प्रगतिरत है, जिनमें 6,96,480 कार्यो पर मस्टर रोल जारी नहीं हुए की समीक्षा में, जिला बालाघाट, खरगौन, छतरपुर, सिवनी, रीवा, सागर, मण्डला एवं बैतूल की प्रगति निम्न पायी गयी। अन्य जिलों में भी यह अंतर अत्यधिक है। समस्त जिलों को निर्देशित किया गया है कि PMAY के अतिरिक्त अन्य प्रगतिरत कार्यो पर भी मस्टर रोल जारी कर मजदूर नियोजन को बढ़ाया जाए।

1.2 लंबित भुगतानोकं का त्वरित निराकरण करने हेतु समस्त जिलों को निर्देशित किया गया। साथ में यह भी अवगत कराया गया कि सामग्री भुगतान में अब कोई रोक नहीं है। इस संबंध में परिषद द्वारा जारी पत्र क्रमांक 43821 दिनांक 15.06.18 का अवलोकन करे।

1.3 सी.एम. हेल्पलाईन समीक्षा के दौरान जिला अनूपपुर, शहडोल, कटनी, रायसेन, एवं सीधी में सबसे ज्यादा मजदूरी संबंधी शिकायतें लंबित पायी गई। समस्त जिलों को निर्देशित किया गया कि आगामी समाधान ऑनलाईन बैठक के पूर्व इन शिकायतों का समाधानकारक निराकरण कराया जाए। जिन जनपदों में अत्यधिक सी.एम. हेल्पलाईन शिकायत लंबित हैं, वह जनपद मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्वयं इसकी समीक्षा कर प्रगति लाएं।

1.4 सभी जिले उद्यानिकी एवं वन विभाग को समय सीमा में मांग पत्र भेजकर पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण एवं कलस्टर प्रशिक्षण के आयोजन की समीक्षा कर तिथि निर्धारित की जाये। समस्त जिलों को वृक्षारोपण अंतर्गत गूगल शीट में प्रपत्र 16A, 16B, 16C एवं 17 को अपडेट करने हेतु निर्देशित किया गया।

1.5 Labour engagement & Works Planning की योजना तैयार करने हेतु गूगल शीट दिनांक 15.06.18 को जारी की गई है, आगामी वीसी के पूर्व इसे अद्यतन करें।

1.6 आगामी वीसी में मजदूरों का नियोजन, प्रगतिरत कार्यो में मस्टर जारी एवं Works Planning की समीक्षा की जावेगी।

2. प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण

2.1 प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण अंतर्गत वर्ष 2016–17 एवं 2017–18 के अपूर्ण आवासों में जहॉ तृतीय किश्त दी जा चुकी है। 15 जुलाई तक समस्त आवास पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें। जनपद पंचायत मझगवां (सतना), हर्रई (छिन्दवाड़ा) तथा राहतगढ़ (सागर) के ब्लॉक समन्वयक 15 जुलाई 2018 तक हितग्राहीवार सूची (जो आवास पूर्ण किए जावेंगे) 21 जून 2018 तक मुख्यालय को प्रेषित करें।

2.2 वर्ष 2018–19 की शेष स्वीकृतियां दिनांक 22/06/2018 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। सिवनी जिलें द्वारा बताया गया कि 500 हितग्राही जिले से बाहर पलायन कर गए हैं। इस संबंध में सिवनी जिले को पलायनकर्ता हितग्राहियों की सूची तत्काल मुख्यालय को प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया।

2.3 तृतीय किश्त प्राप्त समस्त हितग्राहियों की जानकारी गूगल शीट में दर्ज करें। इन आवासों को 30 जुलाई तक पूर्ण करने और निरंतर पर्यवेक्षण के लिए कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है। विस्तृत निर्देश भी जारी किए गए हैं।

2.4 राजमिस्त्री प्रशिक्षण का तृतीय चरण समस्त जनपदों में (जहॉ द्वितीय चरण समाप्त हो चुका है) अनिवार्य रूप से दिनांक 22.06.2018 तक प्रारंभ हो जाए। इसकी समस्त जिम्मेदारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा की होगी। इसकी समीक्षा आगामी वी.सी. में की जावेगी।

3. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)–

3.1 श्योपुर जिले की समस्त जनपद पंचायतों में शौचालय निर्माण की प्रगति की प्रशंसा की गयी।

3.2 भिण्ड जिले की जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि वह तय समय सीमा में शौच से मुक्त (ODF) घोषित कर देंगे।

4. पंचायतराज–

4.1 सभी जिलों को DISHA सप्ताह (25 से 19 जून 2018 तक) अंतर्गत जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित कर पोर्टल पर जानकारी अपलोड करें।

4.2 जिला एवं जनपद के लिए प्रस्तावित आदर्श सेटअप के प्रस्ताव पर सुझाव (यदि कोई हो तो) एक सप्ताह में भेजें जाने हेतु निर्देशित किया गया।

4.3 पंच परमेश्वर पोर्टल पर तीनों स्तर पर प्राप्त होने वाली राशियों को एडित कर उनका सही मद दर्ज किए जाने के संबंध में जानकारी दी गई। प्राप्तियों के संबंध में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर पंचायतराज संचालनालय को अवगत करावें।

4.2 सांसद आदर्श ग्राम योजना के प्रथम चरण की ग्राम पंचायतों में ग्रामीण विकास के प्रगतिरत एवं अप्रारंभ कार्यो की समीक्षा की जाकर पोर्टल पर जानकारी अपडेट करें। भारत सरकार को 2 पेज का प्रतिवेदन भेजने हेतु निर्धारित प्रपत्र में जानकारी आज शाम तक अनिवार्य रूप से भेजें।

5. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा 25 जिलों में भवन निर्माण स्वीकृत किए गए, जिनमें से 14 जिलों द्वारा कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को राशि उपलब्ध नहीं करवाई गई। अपर मुख्य सचिव ने संबंधित जिलों को तत्काल कार्यवाही हेतु निर्देशित किया।

6. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत द्वारा उठाए गए मुद्देः–

जिला	मुद्दा	कार्यवाही
कटनी	ग्रामीण यांत्रिकी सेवा एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को पोर्टल के माध्यम सीधे भुगतान के संबंध में मार्गदर्शन चाहा गया।	इस संबंध में निर्देशित किया गया कि पूरक खाते से चालान के माध्यम से भुगतान करें।
मुरैना	ग्राम स्वराज अभियान में जिला/जनपद/ग्राम पंचायत की भूमिका के संबंध में मार्गदर्शन चाहा गया।	इस संबंध में स्पष्ट किया गया कि ग्राम स्वराज अभियान के दौरान संबंधित विभागों, जिनके कार्य होना हैं, की ही जबाबदेही होगी। जिला पंचायत को आवश्यक सहयोग करना है।
राजगढ़	स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत जो नाम विलोपित करते हैं उनमें एक बार में मात्र 50 नाम आते हैं जिससे विलोपन में समय लगता है।	राज्य कार्यक्रम अधिकारी समस्या का निदान शीघ्र करें।
दतिया	पंचायत सचिवों के नवीन वेतन के गणना पत्रक प्राप्त नहीं होने से नया वेतन नहीं दे पा रहे हैं।	गणना पत्रक जारी किय जाएगा।
गुना	ग्राम स्वराज अभियान में मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया है एवं उन पर अभियान के दौरान अधिकारियों को वाहन एवं फ्यूल की व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया हैं।	राज्य स्तर से आवश्यक स्वीकृति दी जावेगी।
उमरिया	हितग्राहियों के एफटीओ बैंकों में लंबित होने से भुगतान न होने की समस्या। साथ ही पोर्टल पर की जाने वाली एन्ट्री संख्या बार–बार परिवर्तित हो जाती है।	राज्य कार्यक्रम अधिकारी (स्वच्छता) समस्या का निदान कराएं।
सिंगरौली	जिले के तीनों विकास खण्डों में 100–100 से अधिक पंचायतें हैं जिनमें चार माह के लिए अधिक वाहन की अनुमति चाही गई।	राज्य स्तर से स्वीकृति दी जावेगी।
अनूपपुर	पुष्पराजगढ़ विकास खण्ड में जो 02 नवीन विकास खण्ड अधिकारी पदस्थ किये गये वे विगत 15 दिवस से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित हैं।	संयुक्त आयुक्त (स्था) को निर्देशित किया गया कि यदि संबंधित विकास खण्ड अधिकारी दिनांक 20 जून 2018 के पूर्वान्ह तक कार्य पर उपस्थित न हों तो उनके विरूद्ध कार्यवाही करें।

समय प्रबंधन एक आदत

कबीर दास जी ने कहा है

काल करे सो आज कर, आज करे सो अब

पल में प्रलय होएगी, बहुरि करोगे कब

कबीर दास जी समय महत्व को बताते हुए कहते है कि जो कल करना है उसे आज करो और आज करना है उसे अभी करो कुछ ही समय में जीवन खत्म हो जाएगा फिर तुम क्या कर पाओगे।

सामान्य सी लगने वाली इन दो पंक्तियों में कबीर दास ने जीवन एवं समय के महत्व का सारतत्व भर दिया है। आज का काम कल पर नहीं छोड़ना चाहिए। प्रश्न उठता है कि क्यों नहीं छोड़ना चाहिए? उत्तर यह है कि पता नहीं अगला पल प्रलय का ही पल हो या जीवन का भी अंत यदि ऐसा हुआ तो वह अधूरा या सोचा गया काम कर पाने का अवसर ही नहीं मिल पायेगा, क्यों कि कल कभी नहीं आता है फिर कब करेंगे।

कहा जा सकता है कि यदि कोई काम नहीं भी हो पाया तो इसमें क्या बनता बिगड़ता है ? बस यही यह बात है कि जिसे संत कबीर ने हमें समझाना एवं स्पष्ट करना चाहा है।

सामान्य व्यवहारिक दृष्टि से भी आज का काम कल पर नहीं छोड़ना चाहिए। कल करने के लिए कोई अन्य काम महत्वपूर्ण और आवश्यक हो सकता है। उसको करने के चक्कर में पिछला काम अधूरा रहकर हानि का कारण बन सकता है। फिर आज का काम कल पर छोड़ते रहने से स्वभाव या

आदत डालते जाने वाले बन सकते है। जिसे किसी भी प्रकार से अच्छा या उचित नहीं कहा जा सकता है।किसी भी सफलता के लिए समय पर प्रत्येक काम को पूरा करते जाना आवश्यक हुआ करता है।

भिन्न–भिन्न कार्यों को करने के लिए लगाए गये समय और उनको करने के क्रम को सोच विचार कर व्यवस्थित करने को ही समय प्रबंधन कहलाता है।

समुचित समय प्रबंधन से दक्षता मिलती है, उत्पादकता बढ़ती है, पैसे की बचत होती है और कार्य सही समय पर पूर्ण होते है। समय का प्रबंधन करने के लिए स्वंय का मूल्यांकन करना आवश्यक है।

एक डायरी में रोज की बाते लिखना चाहिए, कौन–कौन से कार्य हमें करना है उसका विवरण होना चाहिए। इससे हमें पता चलता है कि हम कितना समय उपयोगी कार्य को देते है और कितना समय अनुपयोगी कार्य को देते है। एक शोध के अनुसार मनुष्य अपने जीवन काल का 25 प्रतिशत भाग मात्र सोने में व्यतीत कर देता है।

किसी भी कार्य को करने के लिए कार्य योजना (Action Plan) बनाना अत्यंत आवश्यक है और उसके अनुसार ही समय पर कार्यों को पूर्ण करें। शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे प्रधान मंत्री आवास, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं सामुदायक योजना की लक्ष्यों की पूर्ति में समय प्रबंधन का महत्वपूर्ण योगदान होता है। प्रशिक्षण में भी समय प्रबंधन का महत्व है । प्रशिक्षण का उद्देश्य SMART होना चाहिए। इसमे T का अर्थ होता है Time Bond (समय बद्वता) से है इसीलिए प्रत्येक प्रशिक्षण कालावधि निश्चित की जाती है। जिनमें एक दिवस से लेकर तीन माह/छः माह कालावधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम नियत रहते है। इसी प्रकार प्रत्येक दिवस प्रशिक्षण हेतु पढाये जाने वाले विषयों के कालखण्ड भी नियत रहतें है।

कार्य योजना बनाते समय यह आवश्यक है कि हम कार्यों की प्राथमिकता भी तय करें एवं उनके पूर्ण करने का क्रम भी निर्धारित करे। किस कार्य को पहले करना है और किस कार्य को बाद में करना है, कार्य करने के दौरान ही तय कर लें। साथ ही आकलन/मूल्यांकन भी करते जायें कि जैसा हमने सोचा है वैसा ही कार्य हो रहा है कि नहीं । समय प्रबंध का यह मतलब कदापि नहीं होता है कि हम गलती कदापि न करें। यदि गलती हो भी जाती है तो उसे तत्काल सुधार कर आगे बढ़े। यहॉ यह याद रखना चहिए कि आलस, समय प्रबंधन का घोर का दुश्मन हैं। जिस काम के दौरान हम आलस करते है या लापरवाह हो जाते है तो हमारी बनी हुए कार्य योजना धाराशायी हो सकती है। इसलिए किसी भी काम को पूरा मन लगाकर और सर्तकतापूर्वक करना चाहिए। एक भी गलती हमारे कार्य में बाधा बन सकती या उसे विपरीत दिशा में ले जा सकती है।

समय प्रबंध सफलता की दिशा में पहला कदम

ऐसा कहा जाता है कि यदि हम अपना समय प्रबंधन नहीं कर सकते है तो हम अपने जीवन की किसी अन्य हिस्से को व्यवस्था नहीं कर पायेंगे। अगर हम अपने समय को व्यवस्थित करने की कला में महारत हासिल कर लेते है तो हम अपने कार्यों को बेहतर ढंग से सभालने में सक्षम होगे।

1. समय प्रबंधन करना बहतर निर्णय लेने में मदद करता है।
2. जब हम समय प्रबंधन की तकनीक पर कार्य करते है तो कार्य की गुणत्तवता मं वृद्वि होती है।
3. समय प्रबधं प्रेरणा स्तर को बढ़ता है।
4. समय प्रबंधन हमारे तनाव के स्तर को कम करने में मद्द करता है।

कौशल समय प्रबंधन के सुझाव

1. **एक सूची बनाए** :– प्रतिदिन सुबह उठकर डायरी में सभी आवश्यक कार्यों को लिख लेना चाहिए।

2. **कार्यों की प्राथमिकता तय करना** :– बनाई गई कार्यों की सूची में अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यो को प्रथम वरीयता दें तद्नुसार प्राथमिकता तय कर लें।

3. **समय का निर्धारण** :– प्रत्येक कार्य को पूर्ण करने के लिए कार्य के अनुसार कार्य को निर्धारित कर ले।

4. **चैकिंग** :– प्रत्येक कार्य को पूर्ण होने पर व्वस्थित रूप से उसे चैक कर ले। कोई बिन्दु छूट तो नहीं गया या नया कोई शेष जोड़ना रह गया हो तो तुरन्त पूर्ति कर लें।

5. **विराम लेना** :– लगातार एक के बाद एक कार्य न करें क्यों कि इससे हम थकान और निराशा अनुभव करते है। परिणाम हमारी उत्पादकता, दक्षता में बाधा आ सकती है। इसलिए एक कार्य से दूसरे कार्य के मध्य योग्य विश्राम/विराम मिलना जरूरी है।

6. **स्वस्थ्य रहना संतुलित आहार** :–हमें स्वस्थ्य रहने के लिए प्रतिदिन 6 से 7 घंटे सोना आवश्यक है। इसी प्रकार संतुलित भोजन भी समय प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। रात्रि में हलका भोजना करने से नींद अच्छी आती है।

7. **व्यायाम, योग/प्राणायाम** :– योग/प्राणायाम और व्यायाम समय प्रबंधन के लिए बहुत ज़रूरी है। यह न केवल हम फिट रखता है बल्कि तनाव को भी दूर करता है। ध्यान केन्द्रित करने की शक्ति बढ़ता है। ताकि हम अपने कार्यों को कुशलता पूर्वक कर सकें।

हालांकि समय सही प्रबंधित करना बहुत मुश्किल है पर प्रयास, एकाग्रता एवं मेहनत के साथ करने से इस कला को हासिल किया जा सकता है । तब हम अपने जीवन को योग्य दिशा दे सकते है जो हमारी सफलता की दिशा भी तय करता है। महा पुरूषों के पास भी वही 24 घंटे होते है जो हमारे पास होतें है। मात्र समय प्रबंधन से ही वह महापुरूष अपनी मंजिल पाने में सफल हो जात है और अपना ध्येय सिद्व कर लेते हे।

संजय जोशी
संकाय सदस्य

पंचायतों के विकास हेतु ग्राम नियोजन

हमारे प्रदेश में वर्तमान में ग्राम विकास हेतु विभिन्न प्रकार की योजनाएँ संचालित की जा रही है लेकिन लोगों की सहभागिता शासन की योजनाओं के प्रति बहुत अधिक नहीं है। आज की प्रमुख चुनौतियां दिखाई दे रही है वे रोजगार की समस्या, शहरीकरण के कारण प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, पालन पोषण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन, इत्यादि प्रमुख है।

उपरोक्त चुनौतियों के लिए शासन स्वतंत्रता प्राप्ति से ही इस कार्य को कर रही है, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास हेतु समाज के सभी वर्गो के साथ ही साथ पंचायतों में चुने हुए प्रतिनिधियों की भूमिका बहुत ही अहम है। 73 वें संविधान संशोधन में ग्राम नियोजन को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ।

इसके उपरान्त राष्ट्रीय, राज्य एवं स्थानीय स्तरों पर ग्राम नियोजन के लिए अधिक प्रयास होने लगे है। 73 वें संविधान संशोधन में ग्राम सभा का गठन, जनपद एवं जिला पंचायतों का गठन, समाज के कमजोर वर्गो जिनमें महिलाएं भी शामिल है, का आरक्षण राज्य वित्त आयोग का गठन, राज्य चुनाव आयोग का गठन, कर, शुल्क आदि लगाने का अधिकार, स्वयं के आय बढाने का अधिकार, आर्थिक एवं सामाजिक न्याय के लिए योजनाएं बनाने का अधिकार, प्रदान किया गया।

पंचायत प्रावधानों का अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार अधिनियम 1996 इस अधिनियम अन्तर्गत सांसद श्री दिलीप सिंह भूरिया की अध्यक्षता में गठित समिति की सिफारिश के आधार पर पंचायत उपवंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम 1996 के माध्यम से अनुसूचित क्षेत्रों में श्री पंचायती राज व्यवस्था का विस्तार किया गया ताकि योजना बनाने, उसे लागू करने व मूल्याकंन करने में आदिवासियों की भागीदारी सुनिशचित हो सके। ग्रामीण विकास मुख्य रुप से कृषि से जुडा हुआ है। हमारे प्रदेश की कार्यशील जनसंख्या का अधिकतर भाग या तो कृषक है या कृषि मजदूर है। इसलिये विकास हमेशा ग्रामीण विकास से जुड़ा है। अतः ग्रामीण विकास वह प्रकिया है जिसका उद्वेश्य गरीबी एवं असमानता को दूर करने के लिए ग्रामीण मिल–जुलकर अपनी सोच–समझ से सहभागिता के आधार पर प्रयास करते है एवं ग्राम विकास योजना तैयार करते है। वर्तमान समय में विकास योजना बनाते समय शिक्षा, शिशु मृत्यु दर में कमी, पेय जलपूर्ति, स्वच्छता, जीवन–अवधि में वृद्धि, रोजगार, आधारभूत सुविधाओं को बढाना शामिल किया जाता है इस प्रकार ग्रामीण विकास केवल कृषि और उधोग धन्धों के विकास योजना तक ही सीमित न रखकर शिक्षा, पोषण स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में बढावा देकर जीवन स्तर में

सुधार लाना है। सतत् विकास लक्ष्य को ही ग्राम पंचायत विकास योजना से जोड़ा जा रहा है जो एक सराहनीय कदम है।

ग्राम नियोजन आज के समय में ग्राम सभा के माध्यम से ग्राम पंचायतों में बनाई जा रही है। जिससे ग्रामीणों की जरुरतों के हिसाब से कार्यो को योजना में सम्मिलित किया जा रहा है एवं जिम्मेदारी भी सौपी जा रही है।

पंकज राय,
संकाय सदस्य

महिला–ई हाट

महिला ई–हाट महिला उद्यमियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक सार्थक पहल है। यह महिलाओं के लिए एक ऑनलाइन विपणन मंच है जहां वे अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर सकते हैं। यह श्डिजिटल इंडियाश का हिस्सा है और **स्टैंड अप इंडिया** के रूप में देश भर में महिलाओं के लिए एक पहल है। यह मंच महिलाओं के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रीय महिला कोष के तहत (आरएमके) द्वारा स्थापित किया है। महिला उद्यमियों की सृजनात्मकता को निरंतर सहारा और सहायता प्रदान करके उनको सशक्त बनाना एवं अर्थव्यवस्था में उनकी वित्तीय भागीदारी को सुदृढ़ करना, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है ।

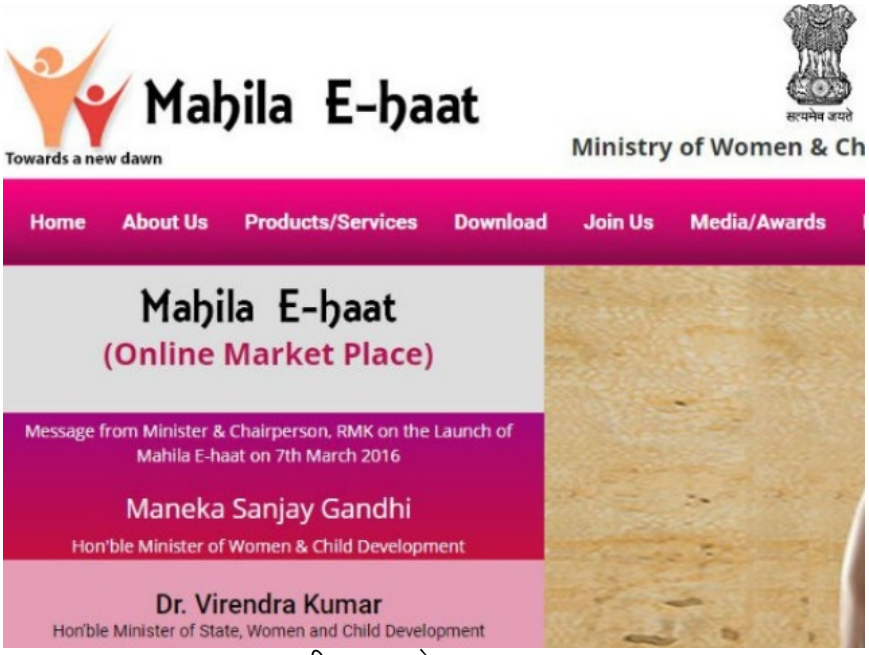

मिशन

महिला उद्यमियों के लिए यह एक वेब आधारित विपणन मंच प्रदान किया गया है जिससे सीधे खरीददारों को बेचने के लिए वे एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेंगी। ऑनलाइन विपणन प्लेटफार्म के माध्यम से मेक इन इण्डिया का समर्थन करना । महिला ई–हाट महिला उद्यमियों की अपेक्षाओं एवं जरूरतों को पूरा करने की एक पहल है। राष्ट्रीय महिला कोष की वेबसाइट पर यह पहल महिला उद्यमियों द्वारा बनाए गए/निर्मित/बेचे जाने वाले उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाएगी। वे सृजनात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित करके अपनी सेवाओं को भी प्रदर्शित कर सकती हैं। यह विशिष्ट ई–प्लेटफार्म महिलाओं के समाजिक–आर्थिक सशक्तीकरण को सुदृढ़ बनाएगा।

महिला ई–हाट महिला उद्यमियों की अपेक्षाओं एवं जरूरतों को पूरा करने की एक पहल है। राष्ट्रीय महिला कोष की वेबसाइट पर यह पहल महिला उद्यमियों द्वारा बनाए गए(निर्मित)बेचे जाने वाले उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाएगी। वे सृजनात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित करके अपनी सेवाओं को भी प्रदर्शित कर सकती हैं। यह विशिष्ट ई–मंच महिलाओं के समाजिक–आर्थिक सशक्तीकरण को सुदृढ़ बनाएगा।

इस वेबसाइट के शुरू होने मात्र से ही 125000 से अधिक महिलाओं के लाभानवित होने की आशा है। इससे प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर अपनी आय पर नियंत्रण करने में महिलाओं को सक्षम बनाकर आदर्श बदलाव के परिणाम की अपेक्षा है।

ऑनलाइन मंच की विशेषताएं

- यह मंच महिलाओं द्वारा बनाया /निर्मित / उनके द्वारा बेचे जाने वाले उत्पादों के प्रदर्शन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए, महिला उद्यमियों के लिए एक अवसर प्रदान करता है।
- महिलाओं की रचनात्मक क्षमता को प्रतिबिंबित करती विधाएं इस मंच पर प्रस्तुत हो सकती है।
- ई–हाट के रूप में पूरे कारोबार के निर्माता एक मोबाइल के माध्यम से अपना व्यापर नियंत्रित कर सकते है या जिसमें सिर्फ एक मोबाइल नंबर की आवश्यकता है।

- खरीदार और विक्रेता की सुविधा के लिए, तस्वीरें, विवरण, लागत और मोबाइल नंबर / निर्माता के पते के साथ उत्पाद ई–हाट पोर्टल पर प्रदर्शित किया जा रहा है।
- खरीदार शारीरिक रूप से विक्रेता के टेलीफोन या ईमेल या किसी भी अन्य साधनों के माध्यम से उससे सीधा संपर्क कर सकते है, यह महिला उद्यमियों/ स्वयं सहायता समूह के उत्पादों के विपणन की सुविधा के लिए है।

विक्रेताओं के लिए महिला ई–हाट में भाग लेने के नियम और शर्तें

- महिला भारतीय नागरिक हो /महिला स्वयं सहायता समूह की हो / महिलाओं उद्यम का नेतृत्व किया हो।
- उम्र 18 वर्ष से अधिक होना चाहिए।

महिल ई हाट से केसे जुड़े

वेंडर्स अथवा सेलर महिला ई–हाट की वेबसाइट में जाकर **हमसे जुड़े** लिंक पर जाकर सामान्य फॉर्म भरे एवं सबमिट करे। अधिक जानकारी के लिये संपर्क करे ।

महिला उद्यमियों / एसएचजी की सहायता के लिए ऑनलाइन मार्केट प्लेस महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

डॉ दुर्गाबाई देशमुख समाज कल्याण भवन, बी –12, चौथी मंजिल कुतुब संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली – 110016

फोन नंबर– 011–26944884 / 26567187 / 26567188

व्हाट्सप्प न.–. 91–8826909309

Email: ed_rmk@nic.in , rmkosh@gmail.com

उपरोक्त लेख http://mahilaehaat-rmk.gov-in द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर

शिव कुमार सिंह
कम्प्यूटर प्रोग्रामर

विकास की पहचान ग्राम पंचायत कोदरिया

ग्राम पंचायत कोदरिया, मध्यप्रदेश की जनपद पंचायत महू, जिला इन्दौर में आती है। आज ग्राम पंचायत कोदरिया हमारे मध्यप्रदेश ही नहीं वरन् पूरे देश में अपनी विकासशील गतिविधियों के लिए पहचाना जाता है। इस पहचान को देश के द्रष्टिपटल पर रखने वाली और कोई नहीं, इस ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती अनुराधा जोशी हैं। अपने प्रयासों से देश का मान बनाए रखना एवं सम्मान बढ़ाना ही कोदरिया ग्राम पंचायत की हर नीति का मूल उद्देश्य है। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य एवं रोजगार की दिशा में कार्य करते हुये कोदरिया ग्राम पंचायत का चहुमुखी विकास किया जा रहा है।

श्रीमती अनुराधा जोशी, सरपंच, ग्राम पंचायत कोदरिया की पहल

विकास की इस पहल में ग्राम पंचायत कोदरिया की सरपंच श्रीमती अनुराधा जोशी द्वारा किये जा रहे प्रयास अन्य पंचायतों के लिए भी अनुकरणीय बन सकते हैं। अपनी ग्राम पंचायत के विकास के साथ ही साथ सरपंच के रूप में श्रीमती जोशी ने ग्रामीण विकास मंत्रालय की अनेक कार्यशालाओं में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया, उन्हें कानपुर में आयोजित ''स्वच्छता ही सेवा है'' कार्यक्रम में राष्ट्रपति महोद्य के समक्ष स्वच्छता एवं पेयजल के बारे में मंच से बोलने का गौरव प्राप्त हुआ।

मध्यप्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा श्रीमती जोशी को सर्वश्रेष्ठ सरपंच के रूप में सम्मानित किया गया। सरपंच पद के दायित्वों को निभाते हुये श्रीमती जोशी ने अन्य क्षेत्र की पंचायतों को देख कर वहां की अच्छी कार्यप्रणाली को अपनी ग्राम पंचायत में लागू किया। इसके लिए श्रीमती जोशी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों की पंचायतों का भ्रमण किया। भोपाल में आयोजित ''उत्कर्ष'' सम्मेलन में श्रीमती जोशी को उत्कर्ष सरपंच के रूप में सम्मानित किया गया।

इनके सफल नेतृत्व में कोदरिया ग्राम पंचायत आई.एस.ओ. सर्टिफाईड बन गई है और उनकी अनोखी योजनाएं अन्य गांवों व शहरों के लिए भी प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। अपनी सफल योजनाओं के तहत् कोदरिया ग्राम पंचायत को न सिर्फ पुरस्कारों से नवाजा गया है बल्कि आज गांव की देश भर में अपनी एक पहचान है। कानपुर में आयोजित ''स्वच्छता ही सेवा'' कार्यक्रम में देश के राष्ट्रपति महोद्य श्री रामनाथ कोविंद जी के समक्ष मंच पर पेयजल स्वच्छता पर अपना उद्बोधन दिया। वे पूरे राष्ट्र से एकमात्र महिला सरपंच, जिन्होंने राष्ट्रपति

महोद्य के समक्ष अपनी पंचायत की उपलब्धियॉ बताई।

पूर्व के अनुभवों से ग्राम पंचायत को आगे बढ़ाया

साधारण परिवार में जन्म लेकर, पानसेमल से हायर सेकेंडरी की परीक्षा उत्तीर्ण की। इनका सपना था, गरीबों, जरूरतमंदों और महिलाओं के लिए कुछ करने का। संघर्ष और सक्रियता से चलते महू क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़कर महिलाओं के लिए विकास कार्य किये और अपनी बनाई। अपने सपनों को साकार करने के लिए 26 वर्षों तक समाज की महिलाओं और परिवारों से जुड़ कर एल.आई.सी. के माध्यम से जीवन सुरक्षा का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। 26 वर्षो तक एल.आई.सी. की सफल की सफल अभिकर्त्ता व 17 वर्षो तक चेयरमेन क्लब मेम्बर रही। उन्होंने भारतीय जीवन बीमा निगम को देश की विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कार्यशालाओं में भाग लिया। उन्होंने घर–घर जाकर लोगों से संपर्क कर एलआईसी पॉलिसी के लिए लोगों को प्रेरित किया।

मध्यप्रदेश की सीमा पर बड़वानी जिले की पानसेमल तहसील की 1500 आबादी के छोटे से ग्राम जूनापानी में कोदरिया सरपंच अनुराधा जोशी का जन्म हुआ। जो आज मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी पंचायत में से एक कोदरिया ग्राम की सरपंच हैं जिसकी आबादी करीब 25000 है।

आईये अब हम देखते हैं सरपंच श्रीमती अनुराधा जोशी के विशेष प्रयासों से ग्राम पंचायत कोदरिया में आये विकास परिवर्तन को:–

ऑन लाईन टैक्स सुविधा से युक्त ग्राम पंचायत

निर्वाचन के उपरांत जब श्रीमती अनुराधा जोशी ने ग्राम पंचायत कोदरिया में सरपंच का दायित्व संभाला था तब ग्राम पंचायत के बैंक खाते में मात्र 445–00 रूपये थे। लगभग 18 माहों के अथक प्रयासों

के परिणाम के रूप ग्राम पंचायत के आय के स्त्रोतों में बढ़ोतरी हुई और बैंक खाते में लगभग 20.00 लाख रूपये का बेलेन्स बनाया। यह जिले की सर्वाधिक टेक्स देने वाली ग्राम पंचायत बन गई। कभी यह इलाका अंधेरे में डूबा रहता था, मगर आज 350 स्ट्रीट लाईट से रोशन है।

यह बदलाव कैसे आया ? इस पर श्रीमती जोशी बताती हैं कि, ग्राम पंचायत में लगभग 26 कर्मचारी हैं। सरकार से सिर्फ ग्राम पंचायत के सचिव की तन्ख्वाह मिलती है। सरपंच बनने के बाद सबसे बड़ी चुनौती थी कि 445–00 रूपयों में सबको वेतन कैसे दिया जाए। एक बार तो ऐसा मौका भी आया कि जब इनकी वेतन की राशि श्रीमती जोशी को व्यक्तिगत रूप से देना पड़ा। हमारे पास अब एक मात्र रास्ता था कि हम अपनी ग्राम पंचायत के आय के स्त्रोत बढ़ायें। पंचायत की टेक्स प्रणाली को मजबूत करें।

लगभग एक वर्ष का समय तो ग्राम पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणजनों को जागरूक करने में लग गये। जब हमारी ग्राम पंचायत में लोग जागरूक हुये तो उनमें जनसहयोग की भावना भी आई। हमने जनसहयोग से सड़क, जलनिकासी का काम किया। आगंनवाड़ी, कोल्ड स्टोरेज, आदिवासी सामुदायिक भवन, पेयजल की पाइपलाईन डलवाना, 700 परिवारों को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ हमारे ग्रामवासियों

को मिला। जिसमें कर भुगतान सुविधा को ऑन लाईन किया।

ग्राम पंचायत कोदरिया में छह घंटे में हुई रिकार्ड वसूली। ग्राम पंचायत कोदरिया में 500 व 1000 के नोट संपत्तिकर व जलकर के भुगतान के रूप में स्वीकार करने के लिए डोंडी पिटवाई गई तो करीब छह घंटे में 4 लाख 9 हजार रूपये की जल

कर और संपत्ती कर की रिकार्ड वूसली हो गई। जबकि काफी कोशिशों के बाद भी ग्राम पंचायत में एक माह में दो लाख का टैक्स भी जमा नहीं हो पाता था। पहले शिविर लगाते थे फिर भी टैक्स वसूल नहीं हो पाता था। जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्रामवासियों ने ग्राम पंचायत को टैक्स देना शुरू किया।

पूर्ण स्वच्छ पेयजल की पहली अनूठी आर.ओ. वॉटर ए.टी.एम.

ग्राम पंचायत कोदरिया में मध्यप्रदेश का पहला वॉटर एटीएम पंचायत भवन तथा दूसरा चलित वॉटर एटीएम वाहन में लगाया गया। मध्यप्रदेश में 25000 की जनसंख्या वाला पहला गॉव जहां पीने का पानी सस्ता मिलता है। स्वच्छ पानी के वितरण के लिए आर. ओ. वॉटर एटीएम लगावाए गए। ग्रामीणों को एक रूपये में एक लीटर, 5 रूपये में 10 लीटर तथा 10 रूपये में 20 लीटर शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध

कराया जा रहा है। इससे ग्राम पंचायत क्षेत्र के घर–घर में आर. ओ. का शुद्ध पानी पहुॅच रहा है। गांव में स्वच्छ पानी के वितरण से बीमारियों में कमी आई है। इस प्रयास से गांव के लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग हो रहे हैं।

शिक्षा और खेलकूद सुविधायुक्त ग्राम पंचायत

ग्राम पंचायत कोदरिया में शिक्षा और खेलकूद के लिए विभिन्न गतिविधियां चलाई जा रही हैं। ग्राम पंचायत में ''आनंद उत्सव'' के अंतर्गत हर आयु वर्ग के लिए खेल गतिविधियों का आयोजन, छात्राओं और ग्रामीणों के बीच खेल की जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न आयोजन किये जाते हैं। खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायत में खेल मैदान का सुधार किया गया। ग्राम पंचायत में छात्राओं में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाये गये हैं।

सामुदायिक सेवाएं प्रदाय करने वाली ग्राम पंचायत

ग्राम पंचायत में बेघर पशुओं के लिए कांजी घर बनवाया गया। बेटी बचाओ आंदोलन के समर्थन में स्थानीय स्तर पर जागरूकता फेलाने की मुहिम चलाई गई। ग्राम पंचायत क्षेत्र के लिए निःशुल्क एम्बुलेंस की सुविधा प्रारंभ की गई। सामुदायिक भवन का निर्माण करवाया गया। ग्रामीण जनता के सहयोग से जिले का श्रेष्ठ मुक्तिधाम का निर्माण हुआ। गॉव की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सिलाई, कढ़ाई, बुनाई जैसे कई अन्य कामों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि गॉव की तरक्की में उनका योगदान मिल सके। कुपोषित बच्चों को गोद लेकर उनका समुचित ध्यान रखा जाता है।

शराबमुक्त ग्राम पंचायत

पूरे ग्राम पंचायत में शराबबंदी के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। अवैध शराब के खिलाफ महिलाओं को जाग्रत करने के लिए विभिन्न गतिविधियां चलाई जा रही हैं। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए डी.आई.जी. टॉक शो का

आयोजन जिसमें डी.आई.जी. श्री हरिनारायणचारी मिश्रा उपस्थित हुए। इस टॉक शो में विभिन्न स्कूलों की छात्राओं को डी.आई.जी. साहब से बातचीत करने मौका मिला। इस अवसर पर छात्राओं ने डी.आई.जी. साहब से समाज, परिवेश और व्यवस्था से संबंधित बहुत से महत्वपूर्ण प्रश्न किये। छात्राओं ने पूछा कि सर हमारे यहां शराब बिकना कब बंद होगी। इस पर डी.आई.जी. साहब ने शराब बंदी पर जरूरी कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इसके बाद श्रीमती जोशी की पहल पर अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगी।

स्वच्छ ग्राम पंचायत

ग्राम पंचायत में लक्ष्य तय किया गया कि हमारे गांवों का कचना बेकार नहीं फेंका जाएगा। कचरे का उपयोग किया जावेगा। इस प्रकार से कचरे से कंचन बनाने के प्रयास प्रारंभ कर दिये गये। गांव की स्वच्छता को बनाए रखने के लिए कचरा वाहन द्वारा कचना एकत्रित किया जाता है एवं इसी कचरे से कृषि उपयोगी खाद भी बनाई जाती है। गांव के कूडे से खाद बना पंचायत की आय बढ़ाने की कोशिश की गई इसके लिए कांपोस्ट शेड भी बनाया गया। गॉव को कचरा मुक्त बनाने के लिए जगह–जगह गीले एवं सूखे कचरे के डस्टबिन रखवाये गए। घर–घर से कचरा एकत्रित करने के लिए कचरा वाहन चलाये गए। गॉव के आंतरिक इलाकों में ड्रेनेज पाइप लाईनें लगवाई गयी। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत घर–घर में शौचालय बनाये गए।

विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विकास

ग्राम पंचायत क्षेत्र में आने वाले गांवों में सुचारू पानी वितरण के लिए पानी की टंकी का निर्माण करवाया गया। सड़कों का चौड़ीकरण एवं नालियों का निर्माण कार्य करवाया गया है। पातालपानी क्षेत्र में बॉध बनाने का प्रस्ताव ग्राम पंचायत द्वारा किया गया है। हरियाली महोत्सव और पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत् ग्राम पंचायत क्षेत्र में पौधरोपण करवाये गये। तीन आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण। पुलिया निर्माण–कोल्ड स्टोर, माजदा पार्क एवं ग्राम में 10 जगह छोटी पुलिया बनाई गई। पॉच लाख की लागत से पशु चिकित्सालय का निर्माण कराया गया। आदिवासी सामुदायिक भवन की बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कराया गया। सड़कों पर अतिक्रमण को हटाया गया।

प्रकाश संसाधनयुक्त ग्राम पंचायत

सम्पूर्ण ग्राम में स्ट्रीट लाईट लगा कर सम्पूर्ण ग्राम को रोशनयुक्त किया। ग्राम पंचायत के क्षेत्र शताब्दीपुरम में बल्लियों पर से विद्युत लाईट हटाकर, बिजली के सीमेंटेड पोल लगा कर बिजली सप्लाई व्यवस्थित की। केशव नगर कॉलोनी में एक नई डीपी लगाकर व्यवस्थित विद्युत ऊर्जा प्रवाहित की, वोल्टेज की समस्या को दूर किया।

जलप्रदाय प्रबंधन ग्राम पंचायत

ग्राम पंचायत क्षेत्र की चोरल जलपेय योजना से एवं जनसहयोग से 5 कॉलोनियों सहित अन्य क्षेत्रों में पेयजल की लाईन पूर्ण शीघ्र ही पेय जल का प्रदाय प्रारंभ किये जाने की तैयारी है। चोरल पेयजल योजना

की पाईप लाईन को गांव की दोनों टंकियों से जोड़कर गांव को जल प्रदाय करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

डिजीटल पंचायत

ग्राम पंचायत कोदरिया की वेबसाईट बनाकर डिजीटल क्रांति की ओर कदम बढ़ाया गया है। गांव के प्रमुख क्षेत्रों को वाई–फाई जोन बनाया जा रहा है।

भविष्य की योजनाएं

विभिन्न कृषि योजनाओं का प्रस्ताव रखे गये। नर्मदा पाईप लाईन का निर्माण करवाने का उद्देश्य बनाया गया। स्व. भैरूलाल पाटीदार उद्यान, केशव नगर को सुव्यवस्थित कर बच्चों के खेलने के लिए फिसल पट्टी, झूला लगाना व उसे बाउन्ड्रीवाल से सुरक्षित करना।

नकटी खाली हनुमान मंदिर के पास बेंच लगाकर बुर्जुग चौपाल बनाना ताकि बुर्जुग वहां सुकून से बैठ सकें। अयोध्यापुरी, शताब्धीपुरम, नारायण कॉलोनी, माजदा पार्क, केशव नगर में सीसी रोड़ का निर्माण करवाना। बुकरी लाईन एवं अयोध्यापुरी में ड्रेनेज डाली व तेजा मोहल्ला, माजदा पार्क, अयोध्यापुरी, मालवीय मोहल्ला, मेन रोड़, लोधी

मोहल्ला में नाली निर्माण कर क्षेत्र को गंदगी मुक्त करना।

करीबन 1000 परिवार को खाद्य सुरक्षा प्रदान करना। आदिवासी मोहल्ला, तेजा मंदिर प्रागंण में पैवर्स लगाकर सुन्दर रूप देना। अत्यंत अव्यवस्थित कॉलोनी, सुविधा विहीन कॉलोनी कृष्णपुरी में सीसी रोड़, नाली का निर्माण कर उसे आदर्श कॉलोनी बनाना। शासकीय स्कूल (बालक विद्यालय) के सामने एक सुव्यवस्थित कॉम्पलेक्स बनाना। गॉव के प्रमुख चौराहे पर हाईमाक्स लगाना।

गांव के प्रमुख मार्ग को चौड़ा कर सीसी रोड़ का निर्माण करना। होली टेकरा से पंचवटी मार्ग के नाली व रोड़ बनाकर उसे सुव्यवस्थित करना। गांव के लिए कांजी हाऊस का निर्माण कराना। पातालपानी पर डेम बनाकर सिंचाई की सुविधा बनाना। आलू चिप्स के दूषित पानी पर शासन द्वारा फिल्टर प्लांट बनाना ताकि प्रदूषित पानी की निकासी न हो व प्रदूषण न हो।

ग्राम पंचायत कोदरिया से सीख

ग्राम पंचायत कोदरिया में ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती अनुराधा जोशी ने अपने अनुभव, व्यवहार, संप्रेषण कौशल, नेतृत्व गुण से ग्राम पंचायत को विकसित करने का प्रयास किया है। जिनमें पंचायत की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने की दिशा में पहल की और आज वहां पर ऑन लाईन टैक्स जैसी आधुनिक सुविधा का उपयोग ग्रामवासी कर रहे हैं। पूर्ण स्वच्छ पेयजल की पहली अनूठी आर. ओ. वॉटर ए.टी.एम. के माध्यम से ग्रामीणों तक शुद्ध पेयजल पहुॅच रहा है। आज ग्राम पंचायत में शिक्षा और खेलकूद सुविधाओं के साथ ही साथ विभिन्न सामुदायिक सेवाएं ग्रामवासियों तक पहुॅच रही हैं।

ग्राम पंचायत कोदरिया आज शराबमुक्त ग्राम पंचायत के रूप में पहचानी जाती है। ग्राम पंचायत में स्वच्छता के बहुत से कार्य करवाये गये हैं। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्राम पंचायत क्षेत्र का विकास किया जा रहा है। ग्राम पंचायत क्षेत्र में बिजली के साधन और जलप्रदाय का बेहतर प्रबंधन किया जा रहा है। ग्राम पंचायत को डिजीटल पंचायत के रूप में स्थापित करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं। ग्राम विकास के लिए सूक्ष्म स्तर तक योजनाएं तैयार की गई हैं।

ग्राम पंचायत कोदरिया में चल रही ग्राम पंचायत सुदृढ़ीकरण के प्रयासों का अनुकरण अन्य पंचायतों द्वारा भी किया जा सकता है।

डॉ. संजय कुमार राजपूत
संकाय सदस्य

क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्र, इंदौर में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण–2018 अन्तर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 28 जुलाई 2018 को क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्र इन्दौर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अलीराजपुर द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2018 अन्तर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

कार्यशाला का शुभारंभ जिला पंचायत अलीराजपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एम.एल. त्यागी जी द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर संस्थान की प्राचार्य श्रीमती यशोधरा कनेश द्वारा मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर स्वछत सर्वेक्षण ग्रामीण–2018 की महत्ता पर प्रकाश डाला गया ।

कार्यशाला में अलीराजपुर जिले की समस्त जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के सहायक यंत्रियों / अनुविभागीय अधिकारियों एवं जिला कार्डिनेटर स्वच्छ भारत मिशन के समस्त अधिकारियों ने भाग लिया ।

इस कार्यशाला में नगर निगम इन्दौर को स्वच्छता के संबंध में सम्पूर्ण देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बेसिक संस्थान के संचालक श्री गोपाल जगताप द्वारा प्रशिक्षण दिया गया तथा स्वच्छता सर्वेक्षण 2018 के महत्वपूर्ण घटक तथा ठोस एवं तरल अपशिष्ठ प्रबंधन के विषय में विस्तार से समस्त अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है।

कार्यक्रम की रूप रेखा –

इस कार्यशाला में उपस्थित समस्त प्रतिभागियों ने अपना परिचय देते एवं स्वच्छता के क्रियाकलाप के

संबंध मे अपना–अपना अनुभव व्यक्त किया गया इस संस्थान के श्रीमती उर्मिला पंवार संकाय सदस्य द्वारा 01 दिवसीय कार्यशाला माड्यूल पर विस्तार से चर्चा की गई है, उसके पश्चात नगर पालिका निगम इन्दौर से श्री गोपाल जगताप द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण–2018 के पेरामीटर का ध्यान आकर्षित कराया गया एवं शासकीय अधिकारियों तथा कर्मचारियों एवं स्थानीय स्तर पर ग्रामीण जनता के विचारों में और अधिक सकारात्मकता, व्यवहार में परिवर्तन कैसा लाया जा सकें इस पर विस्तृत चर्चा की गई ।

कार्यशाला का उद्देश्य –

1. स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण–2018 के पेरामिटर को मापने की पहचान करना तथा उन्हें परिभाषित करना ।
2. ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की चुनौतियां (वित्तीय एवं सामुदायिक सम्भावनाएं (रोजगार, स्वास्थ्य) ।
3. सेगरिगेशन शेड एवं वर्मि कम्पोस्ट खाद बनाने की प्रक्रिया का अवलोकन किया गया ।

दोपहर पश्चात जिला पंचायत सी.ई.ओ., संस्थान के प्राचार्य जी एवं समस्त संकाय सदस्य, जनपद पंचायत सी.ई.ओ., सहायक यंत्री/ अनुविभागीय अधिकारियों को नगर निमग इन्दौर के देवगुराडिया स्थित संयंत्र का अवलोकन कराया गया जिसमें समस्त अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने कचरे से खाद बनाने की प्रक्रिया का अवलोन किया गया । कचरे में शामिल विभिन्न वस्तुओं जैसे प्लास्टिक की बोतल, कपड़े, चमडे के जूते, कांच की वस्तुएं, लकडी के गत्ते एवं पोलिथीन एवं आदि वस्तुओं को मजदूरों के द्वारा अलग–अलग कर मशीनों द्वारा पृथक–पृथक

कर खाद में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया ।

जिसमें सभी अधिकारियों ने अपनी रूची दिखाई एवं उक्त कार्य से बहुत प्रभावित हुए है, उसके पश्चात जिला पंचायत सी.ई.ओ. ने संस्थान की प्राचार्य एवं समस्त संकाय सदस्यों को धन्यवाद देते हुए 01 दिवसीय कार्यशाला का समापन किया गया है।

सज्जनसिंह चौहान
संकाय सदस्य